IJ3AAY

समय : २ घंटे | पूर्णांक : ५०

प्र. १ निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- (१६)

अ. "सिर्फ ऊंची शिक्षा से ही सब कुछ नहीं हो जाता । पढ़ना और पढ़ा पाना दो अलग चीजें हैं और इसमें आदमी का पूरा व्यक्तित्व यानी कि पर्सनैलिटि बहुत बड़ा रोल अदा करती है ।"

अथवा

"जाहिर है कि इस दमड़ी की मास्टरी में अरथी पर चढ़ाने के लिए फूल-मालाओं की गुंजाइश हम नहीं निकाल सकते जब तक कि पुरखों ने जमकर काले धंधों से तिजोरी नहीं भरी हो।"

आ. "हमारा परिवार शाक्त, हम छिप कर मांसादि ग्रहण करने वाले, फिर भी बैजनाथ पांडे ने प्राणों के लिए अवैष्णवी उपाय अपनाना अस्वीकृत कर दिया।"

अथवा

"तब बाबा, आप खिलौने के टूटने का अफसोस क्यों करते हैं । जब मेरा खिलौना टूटता है तो आप मुझसे कहते हैं रो मत, और आप खुद बच्चों की तरह रोते हैं ।"

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (२४)

क. विद्याभूषण शर्माजी के विद्यालयीन जीवन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

राधिका देवी बिसारिया कॉलेज में शर्मा जी पर रचे गए चक्रव्यूह को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

ख. 'बसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं' इस निबंध के माध्यम से प्रकृति का सौन्दर्य एवं माधुर्य कब सार्थक होता है ? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए

अथवा

'राजनिती का बँटवारा' व्यंग्यात्मक लेख के माध्यम से [illegible] राजनीतिक [illegible] का चित्रण कीजिए

प्र.३ निम्नलिखित टिप्पणियाँ लिखिए

च. शर्माजी की पत्नी कुंता का चरित्र-चित्रण

अथवा

प्रिंसिपल राजदान की विवशता

छ. बिट्टो की करुण कथा

अथवा

शामनाथ की माँ का चरित्र-चित्रण